राज्य व्यापार निगम और खनिज तथा धातु वयापार निगम लिमिटेड का कार्य-निष्पादन

425. **श्री चीमनभाई हरीभाई शूक्लाः** क्या वाणिय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के जौरान राज्य व्यापार निगम और खनिज तथा धातु व्यापार निगम लिमिटेड के निर्यात और आयात में प्रति वर्ष कितनी वृद्धि हुई;

(ख) क्या इन दोनों निगमों का कार्य निष्पादन और लाभपरदता अत्यन्त असमतोषजनक है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या इन जोनों निगमों के कार्य-निध्पादन की सरकार द्वारा समीक्षा की गई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इन निगमों को अर्थक्षम और लाभकारी बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया)ः (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान एसटीटी और एमएमटीसी के निर्यात एवं आयात कारोबार के आंकड़े नीचे दिए गए हैंः-

(करोड़ रु. में)

	वर्ष	निर्यात	आयात
एसटीसी	1994-95	806	965
	1995-96	749	858
	1996-97(अन.)	527	1685
एमएमटीसी	1994-95	1368	3622
	1995-96	1376	4451
	1996-97(अन.)	1117	3375

उपर्युक्त आंकड़े एस टी सी के निर्यात में गिरावट दशति है जो कि 1994-95 के 806 करोड़ रु. से 1995-96 में 749 करोड़ रु. और 1996-97 के दौरान 527 करोड़ रु. (अनन्तिम) मुख्यतः निम्नांकित कारणों से थीः

- वर्ष 1994-95 और 1995-96 में क्रमशः 377 करोड़ रु. और 201 करोड़ रुं की राशि के प्रति व्यापार निर्यात को शामिल करना;

- निर्यात की बुकिंग की लेखा नीति में परिवर्तन करना

किन्तु एस टी सी का आयात कारोबार 1995-96 के दौरान 858 करोड़ रु. की तुलना में 1996-97 के दौरान करीब करीब दोगना 1685 करोड़ रु. (अनिन्तिम) हो गया।

यद्यपि एमएमटीसी के निर्यात निष्पादन में 1994-95 की तुलना में 1995-96 के दौरान लगातार वृद्धि दिखती है, तथापि 1996-97 के दौरान निर्यात निष्पादन में कमी मुख्यतः स्वर्ण आभुषण की सहयोगी निर्यातक योजना के हटाए जाने के कारण हुई। किन्तु सरकारी खाते में पहले से कम युरिया के आयात और चीनी का आयात नहीं करने के कारण मुख्यतः पुर्ववर्ती वित्तीय वर्षों की तुलना में 1996-97 के दौरान निगम के आयात कारोबार में गिरावट आती रही है। एसटीसी और एमएमटीसी दोनों ही लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम हैं तथा सरकार को नियमित रुप से लाभांश का भुगतान कर रहे हैं।

पिछले 3 वर्षों के दौरान दोनों संगठनों द्वारा अर्जित निवल लाभ निम्नानुसार रहा हैः

रु./करोड़

वर्ष	निवल	लाभ
	एसटीसी	एमएमटीसी
1994-95	22	67
1995-96	22	50
1996-97	44(अन.)	55(अन.)

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) से (च) एसटीसी तथा एमएमटीसी दोनों ही समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनियां हैं, जिस पर प्रत्येक वर्ष हस्ताक्षर किए जाते हैं। संबंधित निगमों के समझौता ज्ञापन के अनुसार, इन निगमों के निष्पादन की विस्तृत समीक्षा अर्द्ध वार्षिक आधार पर की जाती है3, जहां प्रचालन संबंधी क्षेत्रों की शक्तियों और कमजोरियों का मूल्यांकन करने के लिए विचार विमर्श किए जाते हैं, जिससे कि यथावस्यक उपचारी कार्रवाई की जा सके। एसटीसी और एमएमसटीसी के निष्पादन की मान्यता के रुप में दोनों निगमों को "स्टार ट्रेडिंग हाउसेज" की हैसियत प्रदान की गई है। इसके साथ साथ सार्वजनिक उद्यम विभाग वास्तविक निष्पादन की तुलना में समझौता ज्ञापन लक्ष्यों की समीक्षा भी करता है। तदनुसार 1994-95 तथा 1995-96 के लिए समझौता ज्ञापन में निर्धारित किए गए लक्ष्यों के अनुरुप, एसटीसी और एमएमटीसी दोनों के निष्पादन का मुल्यांकन "बहुत अच्छा" किया गया है।